खनन व्यवस्था में बदलाव, अब हर वाहन पर रहेगी विभाग की नजर

अवैध खनन रोकने के लिए आधुनिक सर्विलांस के इस्तेमाल का दिखने लगा असर, चार मैदानी जिलों में 45 मानव रहित ई-चेक गेट स्थापित किए

प्रकाश जोशी● जागरण

लालकुआं : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में खनन विभाग की ओर से अवैध खनन पर प्रभावी रोक लगाने तथा राजस्व बढ़ाने के लिए आधुनिक सर्विलांस सिस्टम का व्यापक इस्तेमाल किया जा रहा है। इसका असर अब धरातल पर भी दिखाई देने लगा है।

खनन विभाग की एमडीटीएसएस (खनन डिजिटल परिवर्तन और निगरानी प्रणाली) और ई-रवन्ना सिक्योरिटी पेपर परियोजनाओं को लागू करने से जहां केवल अवैध खनन पर प्रभावी रोक लगी है, बल्कि वैध खनन की बदौलत राजस्व में भी ऐतिहासिक बढ़ोतरी हुई है। विभाग की ओर से लागू की गई इस हाइटेक व्यवस्था के तहत राज्य के चार मैदानी जिलों में 45 मानव रहित ई-चेक गेट स्थापित किए गए हैं, जिनमें विशेष एएनपीआर कैमरे, नंबर प्लेट पहचान कैमरे, रेडियो फ्रीक्वेंसी टैग और एलईडी फ्लड लाइट जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है।

इसके साथ ही खनिज प्रबंधन प्रणाली, ई-रवन्ना व्यवस्था, खनन निगरानी प्रवर्तन प्रणाली, मोबाइल निरीक्षण व्यवस्था, निर्णय सहायता प्रणाली, वाहन ट्रैकिंग सर्विलांस और धर्मकांटा एकीकरण जैसी व्यवस्थाएं भी लागू की गई हैं। अवैध खनन के अभियान पर रोक लगाने के लिए खनन विभाग ने प्रक्रियाओं से रवन्ना चोरी की आशंकाओं को समाप्त करने हेतु सभी धर्मकांटों, सीसीटीवी कैमरों और ई-रवन्ना प्रणाली को आपस में जोड़ दिया है। खास बात यह है कि अब धर्मकांटों पर वाहन के वजन के साथ उसकी फोटो भी स्वतः खींची जाएगी, जो सीधे खनन विभाग के पोर्टल से जुड़ी होगी। इसी आधार पर रायल्टी निर्धारित होगी। इसके साथ ही ई-रवन्ना प्रपत्रों के दुरुपयोग को रोकने के लिए साधारण कागज के स्थान पर विशेष प्रकार के सिक्योरिटी फीचर युक्त कागज में रवन्ना प्रपत्र प्रिंट किए गए हैं। इसके अलावा उपखनिज ढोने वाले वाहनों को जीपीएस और व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम से जोड़ा गया है। वाहनों के लिए निर्धारित रूट तय किए गए हैं और यदि कोई वाहन तय मार्ग से हटकर दूसरी जगह उपखनिज ले जाता है तो उसकी सूचना तुरंत विभागीय पोर्टल पर पहुंच जाएगी। खनन विभाग द्वारा किए गए इन आमूलचूल बदलावों से जहां खनन माफियाओं पर शिकंजा कसा जा रहा है, वहीं प्रदेश के राजस्व में भी ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की जा रही है।

2026 में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित स्कॉच गोल्ड अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है

04 गुना बढ़ोतरी के साथ साथ रोजगार भी बढ़ गया

विभाग को मिल चुका है राष्ट्रीय स्तर का अवार्ड

लालकुआं : खनन क्षेत्र में डिजिटल तकनीक, पारदर्शिता और अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए किए गए नवाचारों के चलते उत्तराखंड खनन विभाग को मार्च 2026 में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित स्कॉच गोल्ड अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। विभाग को यह सम्मान "खनिज मित्र" एवं माइनिंग डिजिटल ट्रांसफार्मेशन एंड सर्विलांस सिस्टम जैसी परियोजनाओं के सफल संचालन पर मिला।

20 जून तक चलेगी गौला नदी

लालकुआं : खनन विभाग ने स्थानीय लोगों के रोजगार और राजस्व हितों को ध्यान में रखते हुए इस बार गौला समेत अन्य प्रमुख नदियों में उपखनिज निकासी के लक्ष्य को समय रहते बढ़ा दिया है। विभाग का प्रयास है कि 20 जून तक उपखनिज की निकासी सुचारु रूप से जारी रहे, ताकि इससे जुड़े वाहन स्वामियों, श्रमिकों, व्यापारियों और स्थानीय लोगों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

> आधुनिक सर्विलांस सिस्टम के चलते न केवल रोजगार बढ़ा है, बल्कि राजस्व में भी विगत वर्षों के सापेक्ष चार गुना बढ़ोतरी हुई है। जून माह तक खनन में नदियों से चुगान किया जा रहा है, जिससे लोगों को रोजगार मिलने के साथ ही स्थानीय लोगों को सस्ती दरों में उपखनिज भी मिल रहा है। सरकार का उद्देश्य अवैध खनन पर अंकुश लगाने के साथ ही लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना है।
>
> **-पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री,** उत्तराखंड सरकार

थारू संस्कृति देश की अमूल्य धरोहर

जागरण संवाददाता, सितारगंज : नानकमत्ता में आयोजित वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती समारोह में पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि नानकमत्ता साहिब की यह पवित्र धरती गुरुओं के आशीर्वाद से पावन है और यहां आकर उन्हें विशेष खुशी का अनुभव हो रहा है।

उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित थारू समाज के लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि उनकी संस्कृति, लोकगीत, पारंपरिक नृत्य और प्रकृति से जुड़ाव देश की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर है। आधुनिक दौर में भी थारू समाज ने जिस प्रकार अपनी परंपराओं और मूल्यों को सहेजकर रखा है, वह पूरे समाज के लिए प्रेरणा है। राज्य सरकार जनजातीय समाज की संस्कृति और पहचान के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है।

इस दौरान कार्यक्रम में विधायक शिव अरोरा, जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, मेयर विकास शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रेम सिंह टुरना, दर्जा मंत्री अनिल कपूर डब्बू, ब्लाक प्रमुख सरिता राणा, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति आदि मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पहली बार जनजातीय समाज के सम्मान और विकास के लिए बड़े स्तर पर कार्य किए गए हैं।

अरिना रघुवंश की उपलब्धि से पूरा राज्य गौरवान्वित : धामी

जागरण संवाददाता, हल्द्वानी : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 12वीं की परीक्षा में उत्तराखंड में पहला स्थान पाने वाली हल्द्वानी की अरिना रघुवंश को मुख्यमंत्री ने फोन कर बधाई दी। सीएम ने कहा कि अरिना की उपलब्धि पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय है।

अरिना को बधाई देते सीएम●वीडियो ग्रैब

सीएम से बात करती अरिना● सौ. स्वजन

मुख्यमंत्री ने कहा कि अरिना को उनके परिश्रम का फल मिला है। उनकी मेहनत, लगन और अनुशासन अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणादायक है। अरिना ने सीएम को बताया कि वह कानून की पढ़ाई करने के बाद संयुक्त राष्ट्र में भारत का प्रतिनिधित्व करना चाहती हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। परीक्षा परिणाम में 99.8 प्रतिशत अंक पाने वाली अरिना ने सीएम से बातचीत के दौरान मिलने की इच्छा जताई।

मां वाराही धाम बनेगा आस्था और पर्यटन का नया केंद्र

जागरण संवाददाता, चंपावत : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऐतिहासिक एवं सुप्रसिद्ध मां वाराही शक्तिपीठ धाम, देवीधुरा पहुंचकर मंदिर के नवनिर्माण एवं विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। साथ ही निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली।

इस दौरान उन्होंने मंदिर में पूजन किया और मां का आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि मां वाराही धाम केवल आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। धाम का विकास इसके पौराणिक गरिमा एवं मूल स्वरूप को अक्षुण्ण रखते हुए किया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं को आधुनिक सुविधाओं के साथ आध्यात्मिक अनुभूति भी प्राप्त हो सके। कहा कि मां वाराही धाम आने वाले समय में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धार्मिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनेगा।

मां वाराही देवी शक्तिपीठ में शनिवार को पूजा करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी● जागरण

इससे क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री ने मां वाराही मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। निरीक्षण के दौरान जगदीश चंद्र महतोली 'नवनीत' ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत संचालित निपुण भारत अभियान से संबंधित अपनी पुस्तक 'निपुण का संगीत' मुख्यमंत्री को भेंट की। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष आनंद अधिकारी, दर्जा राज्य मंत्री श्याम नारायण पांडे, विधायक प्रतिनिधि प्रकाश तिवारी, भाजपा जिलाध्यक्ष गोविंद सामंत, मां वराही मंदिर समिति के संरक्षक लक्ष्मण रहे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिवंगत सोमेंद्र के स्वजन को दिया 10 लाख का चेक

मुख्यमंत्री ने धानाचूली निवासी सोमेंद्र सिंह बोहरा के आकस्मिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए उनके स्वजन से मुलाकात कर सांत्वना दी। दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए स्वजन को हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस दौरान उन्होंने 10 लाख की आर्थिक सहायता राशि का चेक स्वर्गीय सोमेंद्र के पिता गोपाल सिंह बोहरा को सौंपा। सोमेंद्र 18 अप्रैल को एक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के कारण निधन हो गया था।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
विद्युत ... खण्ड, हाईडिल कॉलोनी ...पुर

निविदा सूचना

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित उपरवर्णित कार्यों हेतु ... [illegible] ... जो दिनांक 04.06.2026 को ... [illegible]

पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन ऑफ उत्तराखण्ड लि०

खनन व्यवस्था में बदलाव, अब हर वाहन पर रहेगी विभाग की नजर

प्रकाश जोशी ● जागरण

लालकुआं : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में खनन विभाग की ओर से अवैध खनन पर प्रभावी रोक लगाने तथा राजस्व बढ़ाने के लिए आधुनिक सर्विलांस सिस्टम का व्यापक इस्तेमाल किया जा रहा है। इसका असर अब धरातल पर भी दिखाई देने लगा है। खनन विभाग की एमडीटीएसएस (खनन डिजिटल परिवहन और निगरानी प्रणाली) और ई-रवन्ना सिक्योरिटी पेपर परियोजनाओं को लागू करने से नहीं केवल अवैध खनन पर प्रभावी रोक लगी है, बल्कि वैध खनन की बदौलत राजस्व में भी ऐतिहासिक बढ़ोतरी हुई है। विभाग की ओर से लागू की गई इस हाईटेक व्यवस्था के तहत राज्य के चार मैदानी जिलों में 45 मानव रहित ई-चेक गेट स्थापित किए गए हैं, जिनमें विशेष एएनपीआर कैमरे, नंबर प्लेट पहचान कैमरे, रेडियो फ्रीक्वेंसी टैग और एलईडी फ्लड लाइट जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है।

इसके साथ ही खनिज प्रबंधन प्रणाली, ई-रवन्ना व्यवस्था, खनन निगरानी प्रवर्तन प्रणाली, मोबाइल निरीक्षण व्यवस्था, निर्णय सहायता प्रणाली, वाहन ट्रैकिंग सर्विलांस और धर्मकांटा एकीकरण जैसी व्यवस्थाएं भी लागू की गई हैं। अवैध खनन के अभिवहन पर रोक लगाने के लिए खनन विभाग ने क्रशरों से रायल्टी चोरी की आशंकाओं को समाप्त करने हेतु सभी धर्मकांटों, सीसीटीवी कैमरों और ई-रवन्ना प्रणाली को आपस में जोड़ दिया है। खास बात यह है कि अब धर्मकांटों पर वाहन के वजन के साथ उसकी फोटो भी स्वतः खींची जाएगी, जो सीधे खनन विभाग के पोर्टल से जुड़ी रहेगी। इसी आधार पर रायल्टी निर्धारित होगी। इसके साथ ही ई-रवन्ना प्रपत्रों के दुरुपयोग को रोकने के लिए साधारण कागज के स्थान पर विशेष प्रकार के सिक्योरिटी फीचर युक्त कागज में रवन्ना प्रपत्र प्रिंट किए गए हैं। इसके अलावा उपखनिज ढोने वाले वाहनों को जीपीएस और व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम से जोड़ा गया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ● आर्काइव

खनन व्यवस्था में बदलाव, अब हर वाहन पर रहेगी विभाग की नजर

प्रकाश जोशी ● जागरण

लालकुआं : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में खनन विभाग की ओर से अवैध खनन पर प्रभावी रोक लगाने तथा राजस्व बढ़ाने के लिए आधुनिक सर्विलांस सिस्टम का व्यापक इस्तेमाल किया जा रहा है। इसका असर अब धरातल पर भी दिखाई देने लगा है। खनन विभाग की एमडीटीएसएस (खनन डिजिटल परिवहन और निगरानी प्रणाली) और ई-रवन्ना सिक्योरिटी पेपर परियोजनाओं को लागू करने से केवल अवैध खनन पर प्रभावी रोक नहीं लगी है, बल्कि वैध खनन की बदौलत राजस्व में भी ऐतिहासिक बढ़ोतरी हुई है। विभाग की ओर से लागू की गई इस हाईटेक व्यवस्था के तहत राज्य के चार मैदानी जिलों में 45 मानव रहित ई-चेक गेट स्थापित किए गए हैं, जिनमें विशेष एएनपीआर कैमरे, नंबर प्लेट पहचान कैमरे, रेडियो फ्रीक्वेंसी टैग और एलईडी फ्लड लाइट जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। हर वाहन पर विभाग की नजर रहेगी। साथ ही खनिज प्रबंधन प्रणाली, ई-रवन्ना व्यवस्था, खनन निगरानी प्रवर्तन प्रणाली, मोबाइल निरीक्षण व्यवस्था, निर्णय सहायता प्रणाली, वाहन ट्रैकिंग सर्विलांस और धर्मकांटा एकीकरण जैसी व्यवस्थाएं भी लागू की गई हैं।